पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश

आवंटित धनराशि का 28 मार्च तक शत–प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए

जिन योजनाओं या कार्यों का भुगतान लंबित है उसे तत्काल पूरा करें

बजट संबंधी सभी पत्रावलियां पटल से त्वरित गति से निस्तारित की जाए

कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

निर्माणाधीन परियोजनाओ को निर्धारित अवधि में पूरा किया जाए

गौ संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु राज्य सरकार द्वारा पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही

–श्री धर्मपाल सिंह

लखनऊ : 24 मार्च, 2026

उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने आज यहां विधान भवन स्थित कार्यालय कक्ष में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये हैं कि चालू वित्तीय वर्ष हेतु सभी मदों में आवंटित धनराशि का 28 मार्च तक शत–प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। किसी भी दशा में बजट सरेण्डर न किया जाए। आवंटित बजट का एक रूपया भी न लैप्स होने पाये।कोई भी बजट संबंधी या अन्य पत्रावली पटल पर रुकने न पाए और त्वरित गति से निस्तारित की जाय। जिन योजनाओं या कार्यों का भुगतान लंबित है उसे तत्काल पूरा किया जाए। निर्धारित अवधि में कार्य पूरा न करने, कार्यों में लापरवाही या उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

श्री सिंह ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओ को निर्धारित अवधि में पूरा किया जाए और कार्य समाप्ति के उपरान्त संबंधित योजना का उपयोगिता प्रमाण पत्र यथाशीघ्र प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि वन

ट्रिलियन डॉलर इकोनामी के लक्ष्य को हासिल करने में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग की अहम भूमिका है। इसलिए योजनाओं की नियमित निगरानी की जाए। समय पर धनराशि आवंटित की जाए और उसका सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए।

श्री सिंह ने कहा कि गौ संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु राज्य सरकार द्वारा पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसलिए अधिकारियों द्वारा गौ संरक्षण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाए। गौशालाओं में निराश्रित गोवंश को गर्मी एवं लू से बचाव हेतु स्वच्छ पेयजल, चारा तथा तिरपाल आदि की व्यवस्था की जाए। प्रदेश में नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम तथा लघु पशुपालन जैसी लाभार्थीपरक योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए ताकि किसानों, पशुपालकों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी लोगों को इसका लाभ मिल सके और स्वरोजगार के भी अवसर उपलब्ध हो सके।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मुकेश कुमार मेश्राम ने मंत्री जी को पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि चालू वित्तीय वर्ष में विभिन्न योजनाओं में बजट आवंटन तथा वित्तीय स्वीकृतियों का कार्य समयबद्ध रूप से पूरा कर लिया जाए और आवंटित बजट के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृतियों को समय से निर्गत कराकर धनराशि का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में निदेशक प्रशासन एवं विकास डा0 मेमपाल सिंह, निदेशक रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र डा0 राजेन्द्र प्रसाद सहित पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के मुख्यालय एवं शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पर्क सूत्र– निधि वर्मा

राघवेन्द्र / 02:00 **PM**